पर्व | हरतालिका तीज के लिए महिलाओं में उत्साह, गणेश स्थापना की भी तैयारियां तेज

एक साथ मनाई जाएगी हरतालिका तीज और गणेश चतुर्थी

नवभारत , जबलपुर । शहर में सोमवार को हरतालिका तीज और गणेश चतुर्थी का पर्व एक साथ मनाया जाएगा। दोनों पर्वों को लेकर बाजारों में रौनक नजर आने लगी है। रविवार को बाजारों में तीज पूजन की सामग्री, फूल-मालाएं, फल, पत्तियां और श्रृंगार सामग्री की दुकानों पर खरीदार पहुंचते रहे। वहीं गणेश चतुर्थी को लेकर गणेश प्रतिमाओं और सजावटी सामग्री की खरीदारी भी जारी रही।

तीज के लिए सजीं दुकानें बाजार में बढ़ी रौनक

हरतालिका तीज को लेकर रविवार को शहर के बाजारों में अच्छी-खासी चहल-पहल रही। सड़क किनारे फूल-मालाओं, पत्तियों, फलों और पूजन सामग्री की दुकानें सजी नजर आईं। महिलाएं व्रत और पूजन के लिए जरूरी सामग्री की खरीदारी करती दिखीं। तीज के साथ गणेश चतुर्थी भी होने से बाजार में त्योहारों की रौनक और बढ़ गई।

सुहागिनों के साथ नवविवाहिताओं में भी उत्साह

हरतालिका तीज पर सुहागिन महिलाएं पति की लंबी उम्र और सुखी दांपत्य जीवन की कामना से निर्जला व्रत रखेंगी। वहीं नवविवाहिताओं में पहली तीज को लेकर खास उत्साह है। कई नवविवाहिताएं भी व्रत रखकर भगवान शिव और माता पार्वती का पूजन करेंगी। कुंवारी युवतियां भी मनचाहे वर की कामना से व्रत रखती हैं।

गणेश उत्सव समितियों ने की तैयारियां

उज्ज्वल राय, अंकित पटेल, यश कुरोलिया, निखिल ठाकुर और अभिषेक राय आदि ने बताया कि आशा नगर गणेश उत्सव समिति अधारताल करीब 20 वर्षों से गणेशजी की स्थापना कर रही है। पिछले वर्ष जंगल थीम के बाद इस बार पंडाल को महाराजा के भव्य दरबार की थीम पर सजाया गया है। उन्होंने कहा, बप्पा के प्रति हमारी आस्था को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। हर साल कुछ नया करने का प्रयास रहता है, जिसमें क्षेत्र के लोग भी उत्साह से शामिल होते हैं।

77 घरों और पंडालों में विराजेंगे गणपति

गणेश चतुर्थी को लेकर शहर में तैयारियां पूरी हो गई हैं। सोमवार को शुभ मुहूर्त में घरों और सार्वजनिक पंडालों में भगवान गणेश की प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी। स्थापना से पहले पंडालों को रंग-बिरंगी लाइटों और फूलों से सजाया गया है। वहीं घरों में भी गणपति के स्वागत के लिए विशेष सजावट की गई है। श्रद्धालु विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर भगवान गणेश को मोदक का भोग लगाएंगे। गणेश प्रतिमाओं के साथ पूजन सामग्री और सजावटी सामान की खरीदारी को लेकर बाजारों में भी रौनक बनी हुई है।

शुभ मुहूर्त

14 सितंबर, सोमवार को हरतालिका तीज और गणेश चतुर्थी दोनों पर्व मनाए जाएंगे। हरतालिका तीज पर सुबह 6 :00 से 7 :06 बजे तक शिव-पार्वती पूजन का शुभ मुहूर्त रहेगा। वहीं गणेश चतुर्थी पर भगवान गणेश की स्थापना और पूजा के लिए सुबह 10 :52 से दोपहर 1 :19 बजे तक का समय शुभ रहेगा।

इनका कहना है

जुलाई में ही मेरी शादी हुई है, इसलिए यह मेरी पहली तीज है। पहली तीज को लेकर काफी उत्साहित हूं। व्रत रखने के साथ शिव-पार्वती की पूजा करूंगी और परिवार के साथ त्योहार मनाऊंगी।
साक्षी चौरसिया , नवविवाहिता

जनवरी में शादी के बाद यह मेरी पहली हरतालिका तीज है। पहली तीज को लेकर मन में अलग ही उत्साह है। व्रत और पूजा की तैयारी कर ली है, साथ ही मायके से आई तीज की सामग्री भी रखी है।
पूजा दुबे , नवविवाहिता

हर साल तीज का व्रत रखती हूं। इस बार भी सुबह से निर्जला व्रत रखकर शाम को शिव-पार्वती की पूजा करूंगी। परिवार में भी तीज को लेकर उत्साह रहता है।
तनुजा कोरी , विवाहित

शादी के बाद से लगातार तीज का व्रत रख रही हूं। अब यह हमारे लिए सिर्फ व्रत नहीं, बल्कि परिवार के साथ मिलकर मनाया जाने वाला खास त्योहार बन गया है। इस बार भी पूरी श्रद्धा के साथ पूजा की तैयारी की है।
हर्षिका सोनी , विवाहिता

तैयारियां पूरी, आज विराजेंगे बप्पा

धूमधाम से मनाया जाएगा गणेश उत्सव

नवभारत,जबलपुर। गणेश चतुर्थी के साथ सोमवार से गणेश उत्सव का शुभारंभ हो गया। शहर में घर-घर और विभिन्न स्थानों पर गणपति बप्पा की प्रतिमाएं विधि-विधान से विराजित की जाएंगी। इसके साथ ही दस दिवसीय गणेश उत्सव की शुरुआत होगी। गणेश प्रतिमाओं की स्थापना के लिए शहरभर में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।

रविवार को मूर्तिकार गणेश प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में जुटे रहे। रंग-रोगन और सजावट का काम पूरा कर प्रतिमाओं को आकर्षक स्वरूप दिया गया। गणेश उत्सव के दौरान शहर के विभिन्न क्षेत्रों में गणपति पंडाल सजाए जाएंगे, जहां श्रद्धालु भगवान गणेश की पूजा-अर्चना करेंगे। दस दिनों तक चलने वाले इस उत्सव का समापन अनंत चतुर्दशी के दिन गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के साथ होगा। भगवान गणेश को बुद्धि, ज्ञान और समृद्धि का देवता माना जाता है। किसी भी शुभ कार्य से पहले गणेश पूजन की परंपरा है।धर्मगुरुओं के अनुसार गणेश उत्सव की शुरुआत मराठा राजा शिवाजी के समय से मानी जाती है और बाद में यह पर्व पूरे देश में लोकप्रिय हो गया। मूर्ति कलाकारों ने बताया कि श्रद्धालुओं की मांग को देखते हुए हर वर्ष कुछ नया करने का प्रयास किया जाता है। इस बार भी अलग-अलग स्वरूपों में गणेश प्रतिमाएं तैयार की गई हैं। शहर में इस बार करीब 5 से 10 फीट तक की गणेश प्रतिमाएं तैयार की जा रही हैं, जिन्हें विभिन्न स्थानों पर स्थापित किया जाएगा।

मूर्तिकारों ने प्रतिमाओं को दिया अंतिम रूप

गणेश उत्सव को लेकर शहर के सदर, खेरमाई, घमापुर, अधारताल, दमोहनाका, दीक्षितपुरा और गढ़ा सहित कई क्षेत्रों में मूर्तिकार महीनों से गणेश प्रतिमाएं तैयार करने में जुटे थे। मंगलवार को इन प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने का काम चलता रहा। मूर्तिकारों ने प्रतिमाओं पर रंग-रोगन पूरा करने के साथ फिनिशिंग टच दिया।

एक नजर में

श्री सुप्तेश्वर गणेश मंदिर में होंगे धार्मिक आयोजन

नवभारत , जबलपुर । एकता विहार स्थित श्री सुप्तेश्वर गणेश मंदिर में 14 से 25 सितंबर तक गणेश पर्व का आयोजन किया जाएगा। 12 दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में गणेश जन्मोत्सव, अखंड रामायण, सुंदरकांड, भजन-कीर्तन, विभिन्न प्रतियोगिताएं, स्वास्थ्य शिविर और महाआरती सहित कई कार्यक्रम होंगे। पर्व की शुरुआत 14 सितंबर को दोपहर 12 बजे गणेश जन्मोत्सव से होगी। इसके बाद शाम 4 बजे से अखंड रामायण पाठ शुरू किया जाएगा।

धार्मिक आयोजनों के साथ प्रतियोगिताएं-15 सितंबर को अखंड रामायण पाठ की पूर्णाहुति के बाद सुंदरकांड का पाठ होगा। 16 सितंबर को महिला मंडल द्वारा भजन-कीर्तन किया जाएगा। 19 सितंबर को सुबह रांगोली प्रतियोगिता, शाम को संगीतमय सुंदरकांड और रात में छठी महोत्सव व भजन संध्या होगी। 20 सितंबर को स्वास्थ्य शिविर और चित्रकला प्रतियोगिता के बाद शाम को धार्मिक ब्रास बैंड की प्रस्तुति होगी। इसी दिन मिट्टी के दीपों से सामूहिक महाआरती भी होगी।

नर्मदा महाआरती से भंडारे तक आयोजन -21 सितंबर को आरती की थाली सजाओ प्रतियोगिता व भजन संध्या होगी। 22 सितंबर को मां नर्मदा महाआरती, गणेश वंदना एवं महाआरती के साथ भजन संध्या, जबकि 23 सितंबर को छप्पन भोग, महाआरती और भजन संध्या होगी। 24 सितंबर को युवा समिति की ओर से महाआरती और भजन संध्या होगी। 25 सितंबर को दोपहर 12.30 बजे से विशाल भंडारे के साथ 12 दिवसीय गणेश पर्व का समापन होगा।

मिट्टी से तैयार गणेश प्रतिमाएं व सजावटी सामग्री आकर्षण का केंद्र

इको-फ्रेंडली गणेश बने आकर्षण

नवभारत , जबलपुर । रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के व्यावसायिक अध्ययन एवं कौशल विकास संस्थान में मिट्टी और चाक मिट्टी से तैयार इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाओं एवं साज-सज्जा की सामग्री की प्रदर्शनी शुरू हुई। प्रदर्शनी के पहले दिन शनिवार को सैकड़ों छात्र-छात्राओं ने विज्ञान भवन पहुंचकर विद्यार्थियों द्वारा तैयार की गई सामग्री देखी। इको-फ्रेंडली गणेश प्रतिमाएं और आकर्षक सजावटी सामग्री विद्यार्थियों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र रहीं। कुलगुरु प्रो. राजेश कुमार वर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों में हुनर की कमी नहीं है, उन्हें अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए उचित मंच की जरूरत है। वहीं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अजय मिश्रा ने बताया कि विद्यार्थियों ने प्रदर्शनी में उत्साहपूर्वक भाग लिया और आगामी हस्तशिल्प गतिविधियों में शामिल होने की रुचि भी दिखाई।

18 सितंबर तक चलेगी प्रदर्शनी

दर्शनी 12 से 18 सितंबर तक कौशल विकास संस्थान, विज्ञान भवन में आयोजित की जा रही है। कार्यदिवसों में छात्र-छात्राओं के साथ आमजन भी नि:शुल्क प्रदर्शनी का भ्रमण कर सकेंगे।

देशभक्ति के गीतों से गूंजा सुरों में वतन कार्यक्रम

नाट्य लोक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था का कार्यक्रम

नवभारत,जबलपुर। हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर नाट्य लोक सांस्कृतिक एवं सामाजिक संस्था, जबलपुर द्वारा संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से श्री जानकी रमण महाविद्यालय, जबलपुर में 'सुरों में वतन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के शरद भाई पालन,प्राचार्य डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, अभिमन्यु जैन, डॉ संध्या जैन श्रुति,एवं संजय गर्ग द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर डॉ. त्रिपाठी ने हिंदी भाषा तथा हिंदी साहित्य के महान कवियों के योगदान को स्मरण किया।

कार्यक्रम में 'वंदे मातरम', 'पुष्प की अभिलाषा', 'अरुण यह मधुमय देश हमारा', 'भारत माता ग्रामवासिनी', 'भारत में मची है होरी', 'वतन की आबरू', 'झाँसी वाली रानी' तथा 'बाँधो न नाव उस ठाँव बंधु' जैसी कालजयी रचनाओं की संगीतमय प्रस्तुति दी गई। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, सुभद्रा कुमारी चौहान, सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', जयशंकर प्रसाद, सुमित्रानंदन पंत, माखनलाल चतुर्वेदी, भारतेंदु हरिश्चंद्र एवं जगदंबा प्रसाद 'हितैषी' जैसे साहित्यकारों की रचनाओं को स्वर दिया गया। कविताओं को बी. वी. कारंत, डॉ. शिप्रा सुल्लेरे एवं लोकेश मालवीय द्वारा संगीतबद्ध किया गया। माही सोनी के नेतृत्व में आरती दुबे, चांदनी सेन, अनामिका बाजपेई, खुशबू नामदेव, राशि सुनोरिया, अदिति पटेल, मानसी सोनी, शबनम मेहरा, चेतन बेन, भावना विश्वकर्मा एवं अंजलि विश्वकर्मा ने अपने प्रभावशाली गायन कौशल से दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया। कार्यक्रम की परिकल्पना एवं संयोजन दविन्दर सिंह ग्रोवर का रहा।

मुजावर मोहल्ला में अकीदत के साथ जलसा आयोजित

नवभारत,जबलपुर। पैगंबर-ए-इस्लाम हज़रत मोहम्मद मुस्तफ़ा सल्लल्लाहो अलैहे वसल्लम के यौमे विलादत और जश्न-ए-ईद मिलादुन्नबी के मुबारक मौके पर उपनगरीय क्षेत्र गढ़ा स्थित मुजावर मोहल्ला में रात को जलसे का आयोजन किया गया। जलसा मुफ़्ती-ए-आज़म मध्यप्रदेश हज़रत मौलाना डॉक्टर मुशाहिद रज़ा कादरी बुरहानी की सरपरस्ती में अकीदत और एहतराम के साथ संपन्न हुआ।

इस अवसर पर मुफ़्ती-ए-आज़म मध्यप्रदेश ने पैगंबर-ए-इस्लाम हज़रत मोहम्मद सल्लल्लाहो अलैहे वसल्लम की सीरत-ए-पाक, उनके किरदार और शिक्षाओं पर रोशनी डालते हुए उम्मत को उनकी सुन्नत और नेक रास्ते पर चलने की ताकीद की। जलसे में मुख्य अतिथि के रूप में हाजी कदीर सोनी एवं हाजी मक़बूल अहमद रज़वी मौजूद रहे, जबकि पप्पू वसीम खान, जमा खान और शमीम अंसारी गुड्डू विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। जलसे में मौलाना फजले रब अशरफी ने भी नूरानी तकरीर पेश की। वहीं उस्ताद असलम माजिद जबलपुरी, हाजी शेख निजामी, इजहार जबलपुरी, मुख्तार नादिर जबलपुरी, शाहनवाज महवर, उबैद मोहसिन और अरमान जबलपुरी ने अपने कलाम पेश किए। कार्यक्रम की निजामत हाफिज असद करबलई ने की। मुतवल्ली सैय्यद कादिर अली कादरी की निगरानी में आयोजित जलसे में बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने शिरकत की। नात-ओ-मनकबत और तकरीर से कार्यक्रम स्थल का माहौल रूहानी बना रहा।

दि . जैन सोशल ग्रुप जबलपुर 'मेन' ने शिक्षक दिवस मनाया

नवभारत,जबलपुर। भारत के द्वितीय राष्ट्रपति सर्वपल्ली डॉ. राधाकृष्णन के जन्मदिवस एवं दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप फेडरेशन के पितृ-पुरुष स्व. प्रदीप सिंह कासलीवाल की पुण्य स्मृति में, जबलपुर मेन ग्रुप द्वारा संत सुधा सागर पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्रेष्ठ शिक्षिका पलक जैन एवं मेधावी छात्रा अनन्या तिवारी को उत्कृष्टता अवार्ड से सम्मानित किया गया। साथ-साथ शाला की अन्य समस्त शिक्षिकाओं को भी ग्रुप द्वारा सम्मानित किया गया। इस मौके पर फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव

विनय जैन, रीजन अध्यक्ष सीए मनोज जैन, मेन ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष आजाद जैन, ग्रुप के पूर्व अध्यक्ष एवं फेडरेशन के अतिरिक्त महासचिव प्रशांत ,प्रदीप

जैन पंचायत सभा के अध्यक्ष कैलाश चंद जैन, महामंत्री अनिल जैन, संगठन मंत्री सुजीत भाऊ एवं ग्रुप के संरक्षक अशोक सिंघई, भाजपा के वरिष्ठ नेता अमित जैन , अध्यक्ष सचिन कीर्ति जैन, सचिव प्रदीप सीमा जैन, कोषाध्यक्ष संतोष मनीषा जैन सहित दि. जैन सोशल ग्रुप जबलपुर 'मेन' दंपति परिवार के सदस्य उपस्थित थे।

एमपीडी पब्लिक स्कूल में नई कार्यकारिणी का गठन

नवभारत,जबलपुर। एमडी पब्लिक स्कूल दयानंद सरस्वती वार्ड की 2025-26 की सामान्य बैठक आयोजित की गई जिसमें वर्ष 2024-25 के वित्तीय लेखा जोखा का प्रतिवेदन प्रस्तुत किया गया। इस मौके पर छात्रों के भविष्य के नवाचार के लिए 7 कंप्यूटरों की व्यवस्था एवं लायब्रेरी के विस्तार की चर्चा के साथ 2026-27 के लिए कक्षा 9 से 10 वीं की कक्षाओं की मान्यता के लिए सचिव देवेंद्र माहेश्वरी द्वारा प्रस्ताव रखा गया। बैठक में 2026-27 की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें एमडी स्कूल के प्राचार्य डॉ. अरूण कक्कड़, आर्य

समाज के मंत्री अरविंद माहेश्वरी, सोमेंद्र माहेश्वरी, और महिला प्रधाना डॉ कु. अरूण सिंह की उपस्थिति में नवनियुक्त पदाधिकारियों का चयन किया गया। नवीन कार्यकारिणी में अध्यक्ष समिता जग्गी, उपाध्यक्ष सविता गुप्ता,सचिव देवेंद्र माहेश्वरी, उव सचिव सोनल अग्रवाल, आय व्यय निरीक्षक उमेश सिंह कार्यकारिणी सदस्य एसपी मुखी, पवन ओझा, पूनम माहेश्वरी, सागर दीक्षित, अरूण सिंह, पंचम झा का चयन किया गया।

मस्तिष्क-रीढ़ की हुई सफल जटिल 12 न्यूरोसर्जरी

मेडिकल कॉलेज में 30वें न्यूरोएंडोस्कोपी फेलोशिप प्रोग्राम का समापन

नवभारत,जबलपुर। नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज के सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के न्यूरोसर्जरी विभाग द्वारा 10 से 13 सितंबर तक 30 वें न्यूरोएंडोस्कोपी फेलोशिप प्रोग्राम का सफल आयोजन किया गया। वर्ष 2010 से निरंतर आयोजित हो रहे इस प्रतिष्ठित प्रशिक्षण कार्यक्रम में देश-विदेश से आए प्रतिनिधियों ने

हिस्सा लिया। चार दिवसीय इस कार्यशाला में मस्तिष्क एवं रीढ़ (ब्रेन व स्पाइन) की 12 जटिल न्यूरोसर्जरी प्रक्रियाएं सफलतापूर्वक की गईं। ये सभी ऑपरेशन पूर्णतः नि:शुल्क किए गए। सर्जरी के लाइव प्रदर्शन के साथ-साथ प्रतिनिधियों को कैडेवर (शव) पर व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया।

इनकी रही भूमिका

कार्यक्रम का शुभारंभ मेडिकल डीन प्रो. नवनीत सक्सेना द्वारा किया गया। इस दौरान एम्स नई दिल्ली के डॉ. आशीष सूरी मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। वहीं सुपर स्पेशलिटी अस्पताल की डायरेक्टर डॉ. अपर्णा तामस्कर, अधीक्षक डॉ. जितेंद्र गुप्ता, पूर्व डायरेक्टर डॉ. वाई. आर. यादव एवं डॉ. नटवर अग्रवाल की प्रमुख भूमिका रही। वहीं सर्जिकल टीम में डॉ. विजय परिहार, डॉ. शैलेंद्र रात्रे, डॉ. मल्लिका सिन्हा, डॉ. जितिन बजाज, डॉ. केतन हेडाऊ, डॉ. मुकेश शर्मा और डॉ. जयंत पाटीदार शामिल रहे।

बैठक | विद्या भारती की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक का समापन

हर बालक को भारत की परम्परा का संस्कार देना विद्या भारती का कार्य : डॉ . कृष्णगोपाल

नवभारत,जबलपुर। विद्या भारती के विद्यालयों ने इस वर्ष बोर्ड परीक्षाओं में 95 प्रतिशत से अधिक सफलता प्राप्त की है, किन्तु परीक्षा परिणामों की सफलता तक ही हमें सीमित नही रहना है, हमें हर बालक को भारत की मिट्टी और भारत की परम्परा का संस्कार देना है जिससे वह श्रेष्ठ नागरिक के रूप में अपने परिवार, अपने समाज और अपने देश के प्रति अपनेपन के भाव से अपना सर्वस्व अर्पित करने के लिए समर्पित हो। यह विचार राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. कृष्णगोपाल ने विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान की राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक के समापन अवसर पर उपस्थित प्रतिभागियों को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये।

इस मौके पर उन्होंने ये भी कहा कि बालकों में पुस्तकीय ज्ञान के अतिरिक्त आध्यत्मिक का भाव जाग्रति हो इस दृष्टि से विद्या भारती के विद्यालयों में पंचकोषीय विकास की अवधारणा पर शिक्षण होता है इसी आधार पर बच्चों के सर्वांगीण विकास की कल्पना की जा सकती है।

विद्या भारती का विस्तार देश के 685 जिलों में प्रांरभ में अ.भा.महामंत्री देशराज शर्मा ने बताया कि विद्या भारती का कार्य देश के 685 जिलों में चल रहा है । संपूर्ण देश में लगभग 24000 औपचारिक/अनौपचारिक वद्यालयों में इस वर्ष की छात्र संख्या 37 लाख रही है, 1 लाख 70 हजार से अधिक शिक्षक इनके अध्यापन कार्य में लगे है। संपूर्ण देश में 280 आवासीय विद्यालय व 1041 जनजातीय विद्यालय भी विद्या भारती द्वारा संचालित होते हैं। वहीं अखिल भारतीय आयोजनों की जानकारी देते हुये आपने बताया कि आगामी अखिल भारतीय खेल-कूद समारोह-गाजियाबाद(उ.प्र.),अ.भा.संस्कृत महोत्सव-कुरूक्षेत्र(हरियाणा), अ.भा.विज्ञान मेला-गोरखपुर (उ.प्र.),अ.भा.गणित मेला-धनबाद (झारखण्ड), अ.भा. टेकाथोन 3 -आईआईटी रूड़की (उतराखण्ड़) में आयोजित किए जायेंगे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए विद्या भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ.रविन्द्र कान्हेरे ने कहा कि गत तीन दिनों में हमने अपने कार्य की बारिकी से समीक्षा की है। निश्चित रूप से अपना कार्य प्राभावी हुआ है। अंत में वंदेमातरम के साथ इस बैठक का समापन हुआ। प्रादेशिक सचिव डॉ सुधीर अग्रवाल ने बताया 14 सितंबर को सुबह 7:00 बजे नर्मदा जी को हलवा की कढ़ेया चढ़ाई जाएगी।

वाणी गुरु, गुरु है वाणी, बिच वाणी अमृत सारे

आस्था और उमंग के साथ मनाया गया श्री गुरु ग्रंथ साहिब का प्रथम प्रकाश दिवस

नवभारत,जबलपुर। रविवार को शहर के सभी गुरुद्वारों में सिख धर्म के सर्वोच्च गुरु शब्दावतार साहिब श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रथम प्रकाश दिवस पूर्ण आस्था विश्वास और श्रद्धा भक्ति के साथ मनाया गया। इकबाल भवन स्थित गुरुद्वारा माइयाँ, भंवरताल में आयोजित भव्य कीर्तन दरबार में रागी जत्था भाई हरमीक सिंह, नरिंदर सिंह एवं बलजीत सिंह ने सम सामयिक शबद 'वाणी गुरु गुरु है वाणी, बिच वाणी अमृत सारे, वाणी कहे सेवक जन माने, प्रतख गुरु निस्तारे' का रसभीना गायन कर साध संगत को रसविभोर कर दिया।

इस दौरान ज्ञानी जसबीर सिंह ने गुरुवाणी मीमांसा करते हुए कहा कि श्री दरबार साहिब स्वर्ण मंदिर अमृतसर पंजाब में ईसवी 1604 को पहली बार पंचम गुरु अर्जनदेव जी द्वारा संपादित श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी का प्रकाश किया गया था। बाबा बुड्ढा जी को प्रथम मुख्यग्रंथी होने का सुयश प्राप्त हुआ ।दसवें गुरु गोबिंद सिंह जी ने सर्वोच्च गुरु के रूप में स्थापना की । तब से यह दिन प्रकाश दिवस के रूप में मनाया जा रहा है । गुरु का लंगर दिनभर वितरित किया गया । सिख नारी मंच द्वारा लगातार 21 दिनों तक श्री गुरु ग्रंथ साहिब के 5 सहज अखण्ड पाठ संपन्न करवाये गए। इस मौके पर बसंती निशान साहिब लहराने की कार सेवा भी हुई । मुख्य ग्रंथी ज्ञानी प्रीतम सिंह ने सर्वत्र के भले की अरदास प्रार्थना संपन्न करवाई। कार्यक्रम का संचालन रांझी प्रधान एम. एस. नागी ने किया । प्रधान सुरिंदर सिंह छावड़ा ने आभार व्यक्त किया। गुरुद्वारा मढ़ाताल में अमृत संचार किया गया जिसमें गुरुद्वारा के प्रबंधकों ने अमृतपान कर गुरु दीक्षा ली ।